भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1762

जिसका उत्तर दिनांक 16.03.2023 को दिया जाना है

गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र, हरियाणा की वर्तमान स्थिति

1762 श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गोरखपुर गांव में गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जीएपीपी) पर काम की प्रगति की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उपर्युक्त परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) के लिए भूमि अधिग्रहण करने संबंधी कार्यवाही की स्थिति क्या है;

(ग) इस परियोजना के पहले चरण का निर्माण कार्य पूरा होने की लक्षित तिथि क्या है;

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा अब तक कितना निवेश किया गया है और उक्त परियोजना में उपगत होने वाली कुल अनुमानित लागत के साथ-साथ इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कितना रोजगार सृजित होने की संभावना है; और

(ङ) उक्त क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) द्वारा कौन-कौन सी सीएसआर गतिविधि शुरू की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) गोरखपुर नाभिकीय विद्युत परियोजना में प्रत्येक 700 मेगावाट की दो-दो यूनिटें अर्थात जीएचएवीपी - 1 व 2 (2 X 700 मेगावाट) और जीएचएवीपी - 3 व 4 (2 X 700 मेगावाट) शामिल हैं। हरियाणा में गोरखपुर स्थल पर भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया गया है और परियोजना के लिए पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त कर ली गई है। जीएचएवीपी - 1 व 2 के संबंध में, नाभिकीय भवन 1 व 2 के लिए स्तंभों का ढलान कार्य पूरा हो गया है और रैफ्ट नींव का कंक्रीटिंग कार्य जारी है। अन्य संयंत्र भवनों, सुरंगों और खाइयों, जल परिवहन प्रणाली, गोदामों, टाउनशिप भवनों आदि के संबंध में निर्माण कार्य चल रहे हैं। महत्वपूर्ण उपकरणों और प्रमुख

पैकेजों के लिए क्रय आदेश जारी किए गए हैं और कुछ प्रमुख उपकरण स्थल पर प्राप्त हो चुके हैं। जीएचएवीपी - 3 व 4 के संबंध में, स्थल पर पूर्व-परियोजना गतिविधियां और लंबे समय में प्राप्य उपकरण के लिए आदेश जारी करने का कार्य प्रगति पर है।

(ख) हरियाणा में गोरखपुर स्थल पर भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया गया है।

(ग) परियोजना के पहले चरण अर्थात जीएचएवीपी 1 व 2 के पूरा होने की अनुमानित तारीख 2029 है।

(घ) संस्वीकृत लागत व व्यय का विवरण निम्नलिखित है :

परियोजना	संस्वीकृत लागत, रूपये करोड़ में	व्यय (जनवरी 2023 तक), रूपये करोड़ में
जीएचएवीपी-1 व 2	20594	5042
जीएचएवीपी-3 व 4	21000*	152

'' 10 फ्लीट मोड रिएक्टर का एक भाग, रूपये 105000 करोड़ की लागत पर संस्वीकृति दी गई है।*

इसके शिखर पर निर्माण समय के दौरान, जीएचएवीपी में लगभग 8000 व्यक्तियों के रोजगार उपलब्ध कराने का अनुमान है जोकि घंटाकार वक्र की संरचना का पालन करता है। एक बार प्रचालित होने पर, प्रत्येक द्वि-यूनिट बिजलीघरों में लगभग 2000 व्यक्तियों के रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों) उपलब्ध कराने का अनुमान है। स्थल पर आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोत्तरी के फलस्वरूप व्यापार अवसर उत्पन्न होने से ठेकेदारों/विक्रेताओं से रोजगार प्राप्त होने की भी संभावना है।

(ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार कौशल विकास सहित शिक्षा; स्वास्थ्य एवं स्वच्छता; आधारभूत संरचना विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के चार बड़े क्षेत्रों में अपने नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में और उसके आस-पास निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अधीन कल्याण गतिविधियाँ आयोजित करता है। जीएचएवीपी में सीएसआर कार्यक्रम के अधीन आरम्भ की गई कुछ मुख्य पहल हैं - मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति दिए जाने के माध्यम से सहयोग; शैक्षणिक सहायता; सिलाई मशीन प्रदान करना; अंतर-संबद्ध मार्गों का निर्माण; कक्षाओं व प्रयोगशालाओं का निर्माण, स्कूलों को कंप्यूटर, वाटर कूलर, पंखें, फर्नीचर, लाइट, रेफ्रिजरेटर इत्यादि उपलब्ध कराना; कुछ पंचायत सहित स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों में शौचालयों तथा स्कूलों में मध्यान्ह भोजन सुविधाओं का निर्माण करना। स्थानीय लोगों द्वारा पहचान की गई आवश्यकता के आधार पर गौशालाओं के निर्माण व

गौशालाओं के नवीकरण के लिए भी विशेष प्रयास किए गए हैं। महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक क्षेत्र विशेष के विकलांग व्यक्तियों को सहयोगी यंत्र उपलब्ध कराना था। गोरखपुर राज्य स्टेडियम में व्यायामशाला के लिए उपकरण उपलब्ध कराने; पेय जल टैंकों का निर्माण; चिकित्सा शिविरों, मोबाइल क्लीनिकों के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल सहित अधिक कल्याणकारी कार्य गोरखपुर में सीएसआर के अधीन अभिनिर्धारित किए गए हैं।

* * * * *